अंक-7

स्वास्थ्य आपके द्वार...

मासिक न्यूज़लेटर | जुलाई, 2026

अपर मुख्य सचिव की कलम से...

प्रिय पाठकगण,

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की विभागीय मासिक पत्रिका 'स्वास्थ्य आपके द्वार' के इस अंक के माध्यम से आप सभी से संवाद करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, किफायती एवं समतामूलक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। इसी दृष्टि के अनुरूप राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने तथा जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से 'निवारक स्वास्थ्य देखभाल (Preventive Healthcare)' को स्वास्थ्य नीति के केन्द्र में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

'स्वास्थ्य आपके द्वार' का यह अंक 'परिवार नियोजन' जैसे महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य विषय पर केन्द्रित है, जो सतत विकास, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मानव संसाधन विकास तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा का प्रमुख आधार हैं। परिवार नियोजन केवल स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक विकास की आधारभूत रणनीति है। प्रदेश सरकार इस दिशा में सेवा प्रदायगी को सुदृढ़ करने, आधुनिक गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, व्यवहार परिवर्तन संचार को सशक्त बनाने तथा पुरुष सहभागिता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दे रही है।

'विश्व जनसंख्या दिवस' हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम जनसंख्या स्थिरीकरण को केवल सांख्यिकीय लक्ष्य के रूप में नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय एवं सतत विकास के व्यापक दृष्टिकोण से देखें।

मुझे विश्वास है कि 'स्वास्थ्य आपके द्वार' का यह अंक परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति विश्वास, सहभागिता एवं उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करेगा।

आइए, हम सभी मिलकर ऐसे उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जहाँ प्रत्येक परिवार स्वस्थ, प्रत्येक नागरिक जागरूक और प्रत्येक समुदाय स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति उत्तरदायी हो।

आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं सहित।

अमित कुमार घोष आई.ए.एस.
अपर मुख्य सचिव
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
व चिकित्सा शिक्षा विभाग, उ.प्र.

मिशन निदेशक की कलम से...

प्रिय पाठकगण,

आप सभी को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की विभागीय मासिक पत्रिका 'स्वास्थ्य आपके द्वार' के नवीन अंक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस अंक का मुख्य विषय 'परिवार नियोजन' है, जो स्वस्थ, सशक्त एवं समृद्ध उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनसंख्या स्थिरीकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार तथा प्रत्येक परिवार को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का माध्यम नहीं, बल्कि प्रत्येक दम्पति को अपनी आवश्यकताओं एवं परिस्थितियों के अनुरूप सूचित एवं स्वैच्छिक निर्णय लेने का अधिकार प्रदान करने का सशक्त माध्यम है।

'विश्व जनसंख्या दिवस' हमें यह संदेश देता है कि संतुलित जनसंख्या ही सतत विकास, बेहतर स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन का आधार है। उत्तर प्रदेश में परिवार नियोजन सेवाओं की पहुँच को सुदृढ़ बनाने, आधुनिक गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र दम्पति तक गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानजनक परिवार नियोजन सेवाएँ समयबद्ध रूप से पहुँचें।

मैं प्रदेशवासियों से आग्रह करती हूँ कि परिवार नियोजन को स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार की आधारशिला के रूप में अपनाएँ तथा स्वच्छता, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सक्रिय सहभागिता निभाएँ।

मुझे विश्वास है कि 'स्वास्थ्य आपके द्वार' का यह अंक पाठकों को उपयोगी जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा। आइए, हम सब मिलकर स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और स्वस्थ उत्तर प्रदेश के निर्माण के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करें।

आपके सुझाव एवं सहभागिता सदैव स्वागतयोग्य है। आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित।

डॉ. पिंकी जोवल आई.ए.एस.
मिशन निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ.प्र.
व सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण विभाग, उ.प्र.

"जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल"

परिवार नियोजन कार्यक्रम

विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन 11 जुलाई 1987 को विश्व की आबादी 05 अरब पहुँचने पर प्रारम्भ किए जाने का विचार किया गया था, जिसके आयोजन के बारे में विश्व बैंक के सीनियर डेमोग्राफर डॉ. के.सी. जकरिया द्वारा सुझाव दिया गया था। यह आयोजन वर्ष 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की गवर्निंग काउन्सिल द्वारा स्थापित किया गया था। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य जनसंख्या वृद्धि सम्बन्धी समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करते हुए जनमानस को जागरूक करना है।

हमारा देश, विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक आबादी वाला देश है तथा पूरे विश्व की 17.7 प्रतिशत आबादी भारत में निवास करती है। देश में सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। वर्तमान में भारत की सकल प्रजनन दर 2.0 व उत्तर प्रदेश की 2.2 (NFHS-6) है। परिवार नियोजन, सकल प्रजनन दर में कमी के साथ-साथ मातृ व शिशु मृत्यु दर को कम करने हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

इसी क्रम में प्रत्येक वर्ष की भाँति वर्ष 2026 में भी प्रदेश में 11 से 18 जुलाई, 2026 तक मातृ एवं शिशु के बेहतर स्वास्थ्य तथा अनियोजित गर्भधारण की रोकथाम एवं गर्भधारण के उचित अंतराल विषय पर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप जन-जागरूकता बढ़ाने, परिवार नियोजन सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा लोगों तक सही जानकारी पहुँचाने के उद्देश्य से विश्व जनसंख्या दिवस अभियान 2026 का आयोजन निम्नलिखित थीम एवं स्लोगन पर किया गया -

"Healthy Timing & Spacing between Pregnancies for wellbeing of mother & child and to prevent unintended pregnancies"

"जब बच्चों में हो सही अंतराल,
परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल"

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसाधारण को संवेदीकृत किए जाने हेतु व्यापक व सघन प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत गर्भनिरोधक सामग्रियों की उपलब्धता ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा इकाइयों तक उपलब्ध कराने के उपरांत, उपकेन्द्र स्तर तक चरणबद्ध तरीके से परिवार नियोजन सेवाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। आशा द्वारा नवविवाहित जोड़ों को शगुन किट उपलब्ध कराई जा रही है। समस्त जनपदों में गर्भनिरोधक साधन कण्डोम की लगातार उपलब्धता बनाए रखने हेतु कण्डोम बॉक्स की स्थापना की गई है।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों पर जनसमुदाय हेतु उपलब्ध सेवाएँ:-

- **स्थायी विधि -** महिला तथा पुरुष नसबंदी
- **अस्थायी विधि -** ओरल पिल्स, कण्डोम, आई.यू.सी.डी., प्रसव पश्चात / गर्भसमापन पश्चात आई.यू.सी.डी., अन्तरा (गर्भनिरोधक इंजेक्शन) तथा गैर-हार्मोनल गोली छाया (गर्भनिरोधक गोली)।
- मीडिया तथा अन्य समस्त प्रचार-प्रसार विधियों के माध्यम से विवाह की उम्र बढ़ाने, बच्चों के जन्म में अन्तर रखने, परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी, प्रसव पश्चात एवं गर्भसमापन पश्चात परिवार नियोजन हेतु स्थायी (महिला एवं पुरुष नसबंदी) एवं अस्थायी विधियाँ-कण्डोम, छाया (गर्भनिरोधक गोली), आई.यू.सी.डी., पी.पी.आई.यू.सी.डी., अन्तरा (त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन)- समस्त चिकित्सा इकाइयों पर निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं।

विश्व जनसंख्या दिवस के दौरान विधावार उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:-

- पुरुष नसबंदी - 237
- महिला नसबंदी - 3391
- आई.यू.सी.डी. - 34054
- पी.पी.आई.यू.सी.डी. - 18968
- पी.ए.आई.यू.सी.डी. - 612
- अन्तरा (गर्भनिरोधक इंजेक्शन) - 75367
- छाया (गर्भनिरोधक गोली) - 284349
- ओ.सी.पी. - 347563
- कण्डोम - 3081974

प्रदेश में आयोजित विश्व जनसंख्या दिवस की प्रमुख सफलता की कहानियां

बिजनौर की प्रेरक पहल: स्थायी परिवार नियोजन की ओर सफल कदम

शहाना, एक घरेलू महिला है जिसकी उम्र 30 वर्ष है। वह बिजनौर जनपद के टेकरी इलाके में रहती है। उसका पति मजदूरी का काम करता है। छठी कक्षा तक पढ़ी शहाना की शादी कम उम्र में ही हो गई थी। शादी के एक-डेढ़ साल बाद उसको पहला बच्चा सरकारी अस्पताल में हुआ, तब उसकी मुलाकात यहाँ के परामर्शदाता तौहीद खान से हुई। परामर्शदाता ने उसको समझाया कि आपको अपने बच्चों में अंतराल रखना चाहिए। इसके लिए परिवार नियोजन की सभी अस्थायी तथा स्थायी विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तब शहाना ने निर्णय लिया और पहले प्रसव के बाद आई.यू.सी.डी. का इस्तेमाल किया और 3 साल बाद उसने इसे निकलवाकर दूसरे बच्चे का प्लान किया। अब छोटा बच्चा 14 महीने का है और अब इस बच्चे की देखभाल में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए उसने पुन: परिवार नियोजन साधन अपनाने का निर्णय लिया और इस बार उसने आपसी सहमति से अन्तरा इंजेक्शन लगवाना शुरू किया।

जब वह अन्तरा की पाँचवीं डोज के लिए अस्पताल आई, तो परामर्शदाता ने पूछा कि क्या उन्हें इससे कोई परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि कोई समस्या नहीं है, लेकिन वह और बच्चे नहीं चाहतीं। अब कोई परमानेंट साधन अपनाना चाहती हूँ। उसके परिवार वालों का उस पर बहुत दबाव था, लेकिन उसने अपने पति को समझाया और पति ने उसका सहयोग किया। उसके बाद परामर्शदाता ने उन्हें परमानेंट नसबंदी के तरीकों, खासकर महिलाओं और पुरुषों की नसबंदी के बारे में फिर से सलाह दी। आने वाले NSV कैंप के बारे में अवगत कराया, जिससे प्रेरित होकर पति-पत्नी दोनों ने मिलकर अपना पक्का मन बनाया और अब शहाना नसबंदी करवाना चाहती थी। शहाना NSV कैंप के दिन आई और महिला नसबंदी की सेवा ली। उसका मानना है कि अगर मैं बच्चों में अंतर रखूँगी, तो मेरा तथा मेरे परिवार का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा और मैं अच्छे से अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई कर सकती हूँ। शहाना अब अपने परिवार के साथ बहुत खुश है।

जनपद प्रयागराज - जन समुदाय में पुरुष नसबंदी सेवा की मांग में वृद्धि हेतु अपनाई गई रणनीति

पुरुष नसबंदी सेवा में प्रति वर्ष उच्च उपलब्धि प्राप्ति के परिप्रेक्ष्य में जनपद प्रयागराज की अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ता, ब्लॉक टीम तथा जनपद स्तरीय टीम का विशेष योगदान रहा है।

जनपद टीम द्वारा पुरुष नसबंदी सेवा की जन समुदाय में मांग में वृद्धि हेतु विभिन्न स्तरों पर व्यापक रणनीति बनाई गई। इसके अंतर्गत ग्राम तथा उपकेन्द्र स्तर पर गोष्ठी, गाँव के प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा प्रचार-प्रसार में सहयोग, पूर्व में पुरुष नसबंदी अपना चुके व्यक्तियों को रोल मॉडल के रूप में ब्लॉक स्तरीय एवं उपकेन्द्र स्तरीय बैठकों में आमंत्रित

कर पुरुष नसबंदी के उपरांत होने वाली मर्दाना कमजोरी जैसी भ्रांतियों को दूर करने में सहायक तो बनी ही, साथ ही अन्य पुरुषों को इसके जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में बताकर उनको भी पुरुष नसबंदी की सेवा से जोड़ा गया।

विश्व जनसंख्या दिवस समारोह की प्रमुख झलकियाँ

Urban PHC Gaushala/Rampuri में विश्व जनसंख्या दिवस (WPD) उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आशा कार्यकत्रियों द्वारा लाभार्थियों को परिवार नियोजन एवं जनसंख्या स्थिरीकरण के महत्व के प्रति जागरूक करने हेतु प्रभावशाली स्किट/नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से लाभार्थियों को छोटे परिवार, स्वस्थ परिवार तथा परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया गया। जनपद मुजफ्फरनगर

विश्व जनसंख्या दिवस (WPD) के अवसर पर गर्ल्स एवं बॉयज़ इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम, रैली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को जनसंख्या स्थिरता, परिवार नियोजन एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया।

मीडिया कवरेज

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता रैली

परिवार नियोजन के फायदों की घर-घर दी जाएगी जानकारी

स्वदेश समाचार ■ हरदोई

विश्व जनसंख्या दिवस अभियान अंतर्गत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में जन जागरूकता रैली को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कहा, परिवार नियोजन स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल परिवार की आधारशिला है। छोटा परिवार सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मधुलिका शुक्ला, परिवार नियोजन काउंसलर गरिमा शुक्ला, स्टाफ नर्स शशि देवी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी इंद्रभूषण सिंह, एफपीएलएमआईएस प्रबंधक किन्दरलाल, स्त्री क्लिनिक संस्था से स्नेहा मिश्रा, निर्मला नर्सिंग इंस्टीट्यूट से मृदुल पांडे सहित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं निर्मला नर्सिंग इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राएं, स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी मौजूद रहे।

11 से 18 जुलाई तक अभियानः डॉ. भवनाथ पांडे

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भवनाथ पांडे ने बताया, 11 से 18 जुलाई तक परिवार नियोजन जागरूकता अभियान चलेगा। आशा, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के सुरक्षित एवं प्रभावी साधनों तथा छोटे परिवार के महत्व की जानकारी देंगे। बताया, जिला महिला चिकित्सालय, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध है।

एलबीएस इंटर कॉलेज में किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम आयोजित

अमरनाथ वर्मा जिला संवाददाता
दैनिक प्रातः संकलन महाराजगंज

समुदाय स्वास्थ्य केंद्र बनकटी फरेंदा के अधीक्षक डॉक्टर एमपी सोनकर के निर्देशन में काउंसलर विनोद कुमार गुप्ता द्वारा स्थानीय ब्लॉक के एलबीएस इंटर कॉलेज में किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया गयाइ कार्यक्रम का उद्घाटन एलबीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजय प्रताप सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया । उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किशोर किशोरियों के लिए बहुत ही अच्छे-अच्छे कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं उसी क्रम में किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम भी बनकटी अस्पताल के काउंसलर विनोद कुमार गुप्ता द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इससे विद्यालय के किशोर किशोरियों में पढ़ाई के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी जागरूकता की जाती है । काउंसलर विनोद कुमार गुप्ता ने परिवार नियोजन गोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम वास्तव में किशोर किशोरियों के लिए उनके जीवन में बदलाव का सहज एवं सरल कार्यक्रम है । उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या को स्थिर करना, मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करना और जोड़ों को सुरक्षित गर्भनिरोधक साधनों परिवार नियोजन के तरीकों तक आसान प्रदान करना है ।

इस योजना को जीवन में लागू करने से किशोरी अपने जीवन में स्वर्णिम युग लाने का बेहतर प्रयास कर सकती हैं । अनियोजित जनसंख्या वृद्धि को धीमा करना और आर्थिक विकास में मदद करता है यमाता व शिशु का स्वास्थ्य" माँ और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना और बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतराल सुनिश्चित कर सकते है । माता-पिता को उनके अनुसार बच्चों की संख्या और अंतराल तय करने का अधिकार देना चाहिए इकार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित किशोर किशोरियों का बीएमआई, लंबाई एवं वजन भी कराया गया इ कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय प्रताप सिंह, अनवर खान, सुशीला पूजा सावित्री काजल रीमा विजयलक्ष्मी सुनीता सहित सैकड़ो छात्राएं मौजूद रही ।

जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल थीम के साथ शुरू होगा अभियान

विश्व जनसंख्या दिवस पर स्वास्थ्य केंद्रों में लगेंगे परिवार नियोजन स्टॉल

पीलीभीत न्यूज़ दक्ष कार्यालय

पीलीभीत। जिले में 11 से 18 जुलाईअ तक विश्व जनसंख्या दिवस अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बी.सी. पंत ने बताया कि इस वर्ष अभियान का स्लोगन ष्जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहालष् रखा गया है। अभियान के दौरान सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां लोगों को परामर्श देने के साथ निःशुल्क गर्भनिरोधक साधनों का वितरण भी किया जाएगा। सीएमओ ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के निर्देश दिए हैं। आशा, एएनएम और सीएचओ क्षेत्र में भ्रमण कर पात्र दंपतियों की काउंसलिंग करेंगे तथा परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करेंगे। जिलाधिकारी ने भी इंटरमीडिएट एवं डिग्री कॉलेजों में वाद-विवाद प्रतियोगिता, रैली और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए हैं।अभियान के दौरान कम उम्र में विवाह से बचने, दो बच्चों के बीच उचित अंतर रखने, प्रसव बाद परिवार नियोजन अपनाने तथा पुरुष एवं महिलाओं की नसबंदी सहभागिता बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कड़ा में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर साक्षरता व जागरूकता शिविर का किया आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्वानुमति से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कड़ा में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

डॉ0 हाशिम खान अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कड़ा ने विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या का प्रभाव स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनो पर पड़ता है। परिवार नियोजन अपनाकर, विवाह की उचित आयु का पालन कर, मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य का ध्यान रखकर तथा महिलाओ को शिक्षा एवं सशक्तिकरण प्रदान कर जनसंख्या वृद्धि को संतुलित किया जा सकता है।

पीएलवी अमरदीप दिवाकर द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओ जैसे निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता, प्री लिटिगेशन के माध्यम से सुलह समझौता, पैनल अधिवक्ता तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी दी गई एवं आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र व्यक्तियो को निरूशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। पात्र लोगो से योजनाओ का लाभ लेने के लिए भी कहा गया। रश्मि सिंह फैमिली वेलफेयर काउंसलर के द्वारा परिवार नियोजन सामग्री का स्टॉल लगाकर विश्व जनसंख्या रोकथाम की जानकारी दी गई एवं 11 जुलाई से 18 जुलाई तक चलने वाले विशेष विश्व जनसंख्या दिवस अभियान के बारे में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंत में केंद्र अधीक्षक द्वारा हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया गया एवं सभी उपस्थित लोगो से जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार कल्याण के प्रति स्वयं जागरूक रहने तथा अन्य लोगो को जागरूक करने की अपील की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रभाकर चंदेल स्वशिक्षा अधिकारी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रदीप सिंह ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ.देव प्रकाश यादव परिवार नियोजन एवं लॉजिस्टिक प्रबंधन मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, रोहिणी कुमार पीएलवी सतीश सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सकगण, स्वास्थ्य कर्मी, आशा बहू व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

» 11 से 18 जुलाई तक चलेगा परिवार नियोजन अभियान

टाइम्स ऑफ जनसत्ता

हरदोई। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में शनिवार को जन जागरूकता रैली निकाली गई। जिला पुरुष चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य लोगों को परिवार नियोजन के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल परिवार की अवधारणा को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि छोटा परिवार न केवल मां एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की आधारशिला है, बल्कि परिवार के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रैली के माध्यम से आमजन को छोटे परिवार के लाभ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के बारे में जागरूक किया गया। र्यक्रम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मधुलिका शुक्ला, परिवार नियोजन काउंसलर गरिमा शुक्ला, स्टाफ नर्स शशि देवी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी इंद्रभूषण सिंह, एफपीएलएमआईएस प्रबंधक किन्दरलाल, स्त्री क्लिनिक संस्था से स्नेहा मिश्रा, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं निर्मला नर्सिंग इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राएं, निर्मला नर्सिंग इंस्टीट्यूट से मृदुल पांडे सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

11 से 18 जुलाई तक चलेगा परिवार नियोजन जागरूकता अभियान

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भवनाथ पांडे ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में 11 से 18 जुलाई तक परिवार नियोजन जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान आशा, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के विभिन्न सुरक्षित एवं प्रभावी साधनों, उनके लाभ तथा छोटे परिवार के महत्व के बारे में जानकारी देंगे।

उत्तर प्रदेश शासन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश

सहयोग: UP-TSU ihat